जनजाति – The tribe जनजाति (tribe) वह सामाजिक समुदाय है जो राज्य के विकास के पूर्व अस्तित्व में था या जो अब भी राज्य के बाहर हैं। जनजाति वास्तव में भारत के आदिवासियों के लिए इस्तेमाल होने वाला एक वैधानिक पद है। भारत के संविधान में अनुसूचित जनजाति पद का प्रयोग हुआ है और इनके लिए विशेष प्रावधान लागू किये गए हैं।

गुसाडी – गुसाडी – Gusadi गुसाड़ी नृत्य आंध्र प्रदेश में गोंड जनजाति के लोगों द्वारा किया जाता है। आदिलाबाद जनपद में 'राजगौंड' जनजाति का विशिष्ठ स्थान हैं। इनके द्वारा मनाये जाने वाले उत्सवों में इनकी संस्कृति की स्पष्ट झलक मिलती है। पर्वों एवं किसी विशेष अवसर पर होने वाले नृत्य और गीत आदि को गोंड अत्यधिक महत्त्व देते हैं। गोंडों के नृत्य में 'गुसाड़ी नृत्य' सर्वाधिक आकर्षक है, जो दशहरे के बाद आरम्भ होता है तथा दीपावली में समाप्त होता है। गुसाड़ी एक प्रकार का परिधान है, जिसे गाँव के कुछ युवाओं द्वारा धार्मिक एवं सैद्धांतिक रूप से अपने गुरु के राज्याभिषेक पर पन्द्रह दिनों तक धारण किया जाता है। परिधान से सुसज्जित युवा एक ही स्थान पर रहकर और एकाग्र चित से भक्ति में लीन रहते हैं।

मोर – मोर – Peacock – पक्षियों का राजा होने के कारण ही प्रकृति ने इसके सिर पर ताज जैसी कलंगी लगायी है। मोर के अद्भुत सौंदर्य के कारण ही भारत सरकार ने 26

जनवरी,1963 को इसे राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया। हमारे पड़ोसी देश म्यांमार का राष्ट्रीय पक्षी भी मोर ही है। 'फैसियानिडाई' परिवार के सदस्य मोर का वैज्ञानिक नाम 'पावो क्रिस्टेटस' है।

ढोल – ढोल – Drum – ढोल, ढोलक या ढोलकी भारतीय वाद्य–यंत्र है। ये हाथ या छड़ी से बजाए जाने वाले छोटे नगाड़े हैं जो मुख्य रूप से लोक संगीत या भक्ति संगीत को ताल देने के काम आते हैं। ढोलक आम, बीजा, शीशम, सागौन या नीम की लकड़ी से बनाई जाती है। लकड़ी को पोला करके दोनों मुखों पर बकरे की खाल डोरियों से कसी रहती है।

जंगल – जंगल – Forest - ऐसा क्षेत्र जहाँ प्राकृतिक रूप से उगे वृक्षों एवं वनस्पति का घनत्व अत्यधिक रहता है, उस क्षेत्र विशेष को वन (Forest in hindi) कहते है । साधारणतः जिस स्थान पर प्राकृतिक वनस्पति की अधिकता होती है, उस स्थान विशेष को " वन (Forest in hindi)" एवं सरल भाषा में ' जंगल' कहा जाता है ।

शहर – वन –Town – शहर बड़ी और स्थायी मानव बस्ती होती है। शहर में आम तौर पर आवास, परिवहन, स्वच्छता, भूमि उपयोग और संचार के लिए निर्मित किया गया एक व्यापक सिस्टम होता हैं। ऐतिहासिक रूप से शहरवासियों का समग्र रूप से मानवता में छोटा सा अनुपात रहा है। लेकिन आज दो शताब्दियों से अभूतपूर्व और तेजी से शहरीकरण के कारण, कहा जाता है कि आज आधी आबादी शहरों में रह रही हैं। वर्तमान में शहर आमतौर पर बड़े महानगरीय क्षेत्र और शहरी क्षेत्र के केंद्र होते हैं। सबसे आबादी वाला उचित शहर शंघाई है। एक शहर अन्य मानव बस्तियों से अपने अपेक्षाकृत बड़े आकार के कारण भिन्न होता है। शहर अकेले आकार से ही अलग नहीं है, बल्कि यह एक बड़े राजनीतिक संदर्भ में भूमिका निभाता है। शहर अपने आसपास के क्षेत्रों के लिए प्रशासनिक, वाणिज्यिक, धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों के रूप में सेवा देता है। एक विशिष्ट शहर में पेशेवर प्रशासक, नियम–कायदे होते हैं और सरकार के कर्मचारियों को खिलाने के लिए कराधान भी। शहर शब्द फारसी से हिन्दी भाषा में आया है। पुराना संस्कृत शब्द नगर भी उपयोग किया जाता विशेषकर सरकारी कार्य में जैसे कि नगर निगम।

सड़कों – पथ – Road – सड़क ऐसे भूमि पर बने हुए ऐसे मार्ग को कहते हैं जिसे समतल बनाकर या अन्य रूप से विकसित करके उसपर किसी वाहन के जरिए परिवहन में आसानी कर दी गई हो। आधुनिक गाड़ियों के चलाने के लिए सड़कों पर अक्सर टूटे पत्थरों की परत के ऊपर तारकोल फैलाया हुआ होता है। विकसित सड़कों पर विपरीत दिशाओं में जाने वाले वाहनों को सड़क विभाजित करके अलग लेनों में भी डाला जाता है। पैदल चल रहे व्यक्तियों की सुविधा के लिए अक्सर सड़कों के साथ–साथ फुटपाथ भी बनाए जाते हैं। भारतीय उपमहाद्वीप में सड़कें लगभग ३००० ईसापूर्व काल से बन रही हैं।

Brainbox
learn easy